

पुस्तकों का 21940 नं० दार्शन २ रुपये के गंतव्य निम्नानुसार लंबो-

धत तक प्राप्त जाता है:-

भवरानिराकर्कों की तरह आराध्यानिराध्यके सहायक अवर अनरोधक, हवलदार एवं
आरधों का ऐल पुलात में वित्तधापन अप्रिय पदत्वापन नहीं होता बतेगा व्यक्ति के लिए पुलात
में बिला पुलात को भाँगा हो चुकवाएँ और विद्युतने के समान उपलब्ध है अतएव ऐल
पुलिस में उन आरधों निराध्यक, सड़ायक, अवर, निराध्यक, हवलदारों एवं आराध्यों के पदस्थापन
पर कोई प्रातंबन्ध नहीं होता जो पूर्व में अपराध अनुत्थान लिया, विशेष शाखा या प्रांशुधण
लिया गया एवं पदस्थापन रह चुके हैं। इसी तरह ऐल पुलात में पदस्थापन आरधों निराध्यक,
सड़ायक अवर अनराध्यक, हवलदारों या आराध्यों को मौजपराध अनुत्थान लिया, विशेष
शाखा, प्रांशुधण संस्थानों में त्वानान्तरत/पदस्थापन करने में कोई प्रातंबन्ध नहीं होगा।
यह जादेश तात्कालिक प्रभाव तो हायू माना जाएगा।

महानदेशक स्वं आरधों महानिराध्यक, बिहार, पटना

प्रापांक ५३७ पृ०-२

७-६-५३-९०४ ई-३

महानदेशक स्वं आरधों महानिराध्यक कायलिय, बिहार।

पटना, दिनांक ५ जुलाई, १९९।

प्रातंलिपि अनुसारत :-

१४-महानिराध्यक, विशेष शाखा/अपराध अनुत्थान, लिया/तकनादों सेवा, बिहार,
पटना को सूचनार्थ।

२४-सभा प्रेसांग आरधों महानिराध्यक/आरधा गहानिराध्यक, ऐलवे को सूचनार्थ
एवं मार्गदर्शनार्थ।

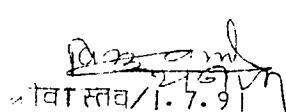
३४-सभा प्रेसांग आरधों उप-महानिराध्यक/आरधा उप-महानिराध्यक, ऐलवे/आरधा
उप-महानिराध्यक, प्रांशुधण, पाठीलोलो को सूचनार्थ एवं मार्गदर्शनार्थ।

४४-सभा आरधों आराध्यक/ऐल आरधों अपाध्यक/प्रापार्थ, पाठीलोलो/आरधों
अपाध्यक, प्रांशुधण ऐलवे, पदमा को सूचनार्थ।

महानदेशक स्वं आरधों महानिराध्यक, बिहार, पटना।

प्रतिलिपि :-

प्रशाखा पदाधिकारा, प०-१ प्रशाखा/प०-२ प्रशाखा४गजठ० लो फिलोफ़ में
संक्ष-पा प्रशाखा/संक्ष-सन द्वितीया को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु।


प्रोवा स्तव/१.६.९१